टूटा पहिया

Que 1: सूचना : 'टूटा पहिया' कविता की ये पंक्तियाँ पढ़ें और नीचे के प्रश्नों के उत्तर लिखें। ***Marks :(4)***

मैं

रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ

लेकिन मुझे फेंको मत!

क्या जाने; कब

इस दुरूह चक्रव्यूह में

अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देता हुआ

कोई दुस्साहसी अभिमन्यु आकर घिर जाए

1. अभिमन्यु को दुस्साहसी क्यों कहा गया है? [2]

2. इस कवितांश का आशय लिखें। [3]

Ans: 1. कारण अपनी भाषा में प्रस्तुत किया है।

2. कवि और कविता का संक्षिप्त परिचय देते हुए पंक्तियों का आशय लिखा है।

Que 2: सूचना : 'टूटा पहिया' कविता की पंक्तियाँ पढ़ें और नीचे के प्रश्नों के उत्तर लिखें। ***Marks :(5)***

तब मैं

रथ का टूटा हुआ पहिया

उसके हाथों में

ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ!

1. टूटा पहिया किसका प्रतीक है ? [1]

2. इन पंक्तियों की प्रसंगिकता पर टिप्पणी लिखें। [4]

Ans: 1. सही उत्तर लिखा है।

2. कवि और कविता का परिचय देते हुए पंक्तियों का विश्लेषण करके उचित भाषा में टिप्पणी लिखी है।

Que 3: सूचना : 'टूटा पहिया' कविता की पंक्तियाँ पढ़ें और नीचे के प्रश्नों के उत्तर लिखें। ***Marks :(5)***

अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी

बड़े-बड़े महारथी

अकेली निहत्थी आवाज़ को

अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहें

तब मैं

रथ का टूटा हुआ पहिया

उसके हाथों में

ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ!

1. कवितांश में इस अर्थ को सूचित करनेवाला मुहावरा कौन-सा है? [1]

सामना करना

2. कवि और कविता का परिचय देते हुए पंक्तियों के आशय पर टिप्पणी लिखें। [4]

Ans: 1. लोहा लेना ।

2. कवि और कविता का संक्षिप्त परिचय देते हुए पंक्तियों का आशय समझाते हुए टिप्पणी लिखी है।

Que 4: सूचना : 'टूटा पहिया' कविता की पंक्तियाँ पढ़ें और नीचे के प्रश्नों के उत्तर लिखें। *Marks :(5)*

इतिहासों की सामूहिक गति

सहसा झूठी पड़ जाने पर

क्या जाने

सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय लें!

1. यह आशयवाली पंक्ति कवितांश से चुनकर लिखें। [1]

सत्य का पक्ष टूटे हुए पहियों का सहारा ले सकता है।

2. इन पंक्तियों का विश्लेषण करके टिप्पणी लिखें। [4]

Ans: 1. सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय लें!

2. कवि और कविता का संक्षिप्त परिचय देते हुए पंक्तियों का विश्लेषण करके टिप्पणी लिखी है।

Que 5: सूचना : 'टूटा पहिया' कविता की पंक्तियाँ पढ़ें और नीचे के प्रश्नों के उत्तर लिखें। *Marks :(5)*

मैं

रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ

लेकिन मुझे फेंको मत!

क्या जाने; कब

इस दुरूह चक्रव्यूह में

अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देता हुआ

कोई दुस्साहसी अभिमन्यु आकर घिर जाए!

1. अभिमन्यु को दुस्साहसी क्यों कहा गया है? [2]

2. इस कवितांश का आशय लिखें। [3]

Ans: 1. प्रसंग समझकर तर्कसंगत उत्तर दिया है।

2. कवि और कविता का संक्षिप्त परिचय देते हुए आशय लिखा है।

Ans: 1. प्रसंग समझकर तर्कसंगत उत्तर दिया है।

2. कवि और कविता का संक्षिप्त परिचय देते हुए आशय लिखा है।

Que 6: सूचना : 'टूटा पहिया' कविता की ये पंक्तियाँ पढ़ें और नीचे के प्रश्नों के उत्तर लिखें। M*arks :(5)*

अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी

बड़े-बड़े महारथी

अकेली निहत्थी आवाज़ को

अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहें

1. कविता के आधार पर किसका पक्ष असत्य है? [1]

(क) अकेली आवाज़ का

(ख) निहत्थी आवाज़ का

(ग) बड़े-बड़े महारथियों का

(घ) ब्रह्मास्त्रों का

2. कवितांश का आशय लिखें। [4]

Ans: 1. बड़े-बड़े महारथियों का

2. कवि और कविता का संक्षिप्त परिचय देते हुए पंक्तियों का आशय अपनी भाषा में लिखा है।

Que 7: सूचना : 'टूटा पहिया' कविता की ये पंक्तियाँ पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें। ***Marks :(4)***

अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी

बड़े-बड़े महारथी

अकेली निहत्थी आवाज़ को

अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहें

तब मैं

रथ का टूटा हुआ पहिया

उसके हाथों में

ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ!

1. यहाँ 'लोहा ले सकता हूँ' प्रयोग का मतलब क्या है? [1]

[सामना करना, सामने जाना, पीछे जाना, पिछड़ जाना]

2. 'तुच्छ-सी लगनेवाली वस्तु भी कभी काम आ सकती है।' इस कथन से आप कहाँ तक सहमत है? कवितांश के आधार पर टिप्पणी लिखें। [3]

Ans: 1. सामना करना

2. कवि और कविता का संक्षिप्त परिचय देते हुए कविता के आधार पर टिप्पणी लिखी है।